>

Title: Need to undertake re construction of damaged roads and rehabilitate people affected by flood and landslide that rocked Uttarakhand in 2013.

श्री रमेश पोखरियाल निशंक (हरिद्वार) ः जैसा कि सर्वविदित है कि गत वर्ष उत्तराखंड में आई भीषण दैवीय आपदा से जानमाल की भारी तबाही हुई। राज्य में पुनः निर्माण का कार्य बहुत ही धीमी गति से हो रहा है और आज भी वहां हालात गंभीर हैं। सड़कों का निर्माण नहीं हुआ, जो गांव के गांव बह गए और जिन लोगों के मकान पूर्ण रूप से नष्ट हो गए उनके न ही मकान बने और न ही उन्हें चिन्हित करके भूमि प्रदान की गई। जो गांव बहे हैं अभी तक उन्हें अन्यत्र नहीं बसाया गया है, लोग दर-दर भटकने को मजबूर हैं। केदारनाथ सहित आपदा प्रभावित ज्यादातर इलाका अंतर्राष्ट्रीय सीमान्त क्षेत्र है। ऐसे में वहां सड़क निर्माण न होना किसी भी आपात स्थिति में सैन्य आवागमन व रक्षा उपकरणों तथा रसद को प्रभावित कर रहा है।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह इस विषय पर राज्य सरकार को निर्देश देकर आपदाग्रस्त क्षेत्र में सड़कों का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर युद्धस्तर पर करवाएं ताकि उत्तराखंड की चारधाम यात्रा को व्यवस्थित किया जा सके तथा आपदा से प्रभावित पीड़ित परिवारों एवं गांवों को शीघ्रतिशीघ्र समतल वन्य भूमि में बसाने की व्यवस्था करें।